ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

व्याकरण(कारक)

दिनांक—12/10/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

कारक के विभक्ति चिन्ह

कारकों की पहचान के चिह्न व लक्षण निम्न प्रकार हैं-

कारक	**लक्षण**	**चिह्न**	**कारक-चिह्न या विभक्तियाँ**
(1)कर्ता	जो काम करें	ने	प्रथमा
~~~~~~~~~~

कारक	लक्षण	चिह्न	कारक-चिह्न या विभक्तियाँ
(2)कर्म	जिस पर क्रिया का फल पड़े	को	द्वितीया
(3)करण	काम करने (क्रिया) का साधन	से, के द्वारा	तृतीया
(4)सम्प्रदान	जिसके लिए किया की जाए	को,के लिए	चतुर्थी
(5)अपादान	जिससे कोई वस्तु अलग हो	से (अलग के अर्थ में)	पंचमी
(6) सम्बन्ध	जो एक शब्द का दूसरे से सम्बन्ध जोड़े	का, की, के, रा, री, रे	षष्ठी
(7)अधिकरण	जो क्रिया का आधार हो	में,पर	सप्तमी
(8) सम्बोधन	जिससे किसी को पुकारा जाये	हे! अरे! हो!	सम्बोधन

विभक्तियाँ- सभी कारकों की स्पष्टता के लिए संज्ञा या सर्वनाम के आगे जो प्रत्यय लगाये जाते हैं, उन्हें व्याकरण में 'विभक्तियाँ' अथवा 'परसर्ग' कहते हैं।
विभक्ति से बने शब्द-रूप को 'पद' कहते हैं।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"